

न्यायालय , अंचल अधिकारी , बानो ।

वाद सं० - ०१/१०२५-२०२०

ग्राम- धानी

वाद का प्रकार - सिद्धि - पंजी प्रमाण

अंचल - बानो

पादी - ब्रानिचारी - इती, पति - स. मंगलनाथ
ब्रानिचारी - काशी

प्रतिवादी :- 16 आना (ग्राही को 15 ईश्वर 14)

अनुगण्डल / जिला- सिमडेगा

आदेश की
क्रम संख्या
एवं तारीख

12.03.2025

आदेश एवं पदाधिकारी का हस्ताक्षर

संबंधित राजस्व उप निरीक्षक द्वारा जाँचोपरांत अंचल निरीक्षक के माध्यम से निम्नांकित भूमि का लगान ऑनलाईन करने हेतु प्रतिवेदन दिया गया है।

आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित

भूमि का तफसील

मौजा	थाना सं०	खाता सं०	प्लॉट सं०	रकबा	किस्म
बानो	59	215	2707 2722	0.4 $\frac{1}{2}$ ए० 0.16 ए०	परती जदीद टांड दोन

विषयगत भूमि के बाबत राजस्व उप निरीक्षक द्वारा प्रतिवेदित किया गया है कि आवेदिका शनियारो देवी पति- स्व० मंगरा नायक ग्राम-वानो के द्वारा समर्पित आवेदन के आलोक में जाँचोपरांत स्पष्ट हुआ कि आवेदित भूमि सर्व के अनुसार रैयती है। जिसका ऑनलाईन पजी ii में भाग ii पृष्ठ सं० 220 पर जमाबंदी खाता सं० 215 अन्तर्गत पति नायक वी रति नायक पिता- रोटी नायक के नाम से कायम है। परन्तु प्लॉट एवं रकबा अंकित नहीं है जिसके लिए आवेदिका द्वारा लिखित अनुरोध किया गया है। भूमि पर आवेदिका का शांतिपूर्ण दखल-कब्जा है तथा कोई विवाद नहीं है। प्रश्नगत भूमि को ऑनलाईन लगान दर्ज करने हेतु राजस्व उप निरीक्षक/अंचल निरीक्षक द्वारा अनुरोध किया गया है। अंचल निरीक्षक का मन्तव्य अंकित है। प्रश्नगत भूमि के बाबत आवेदिकों को नोटिस निर्गत करें एवं आम इस्तहार भी निर्गत करें। अभिलेख दिनांक 28.03.2025 को रखें।

अंचल अधिकारी

दानो ।

28.03.25 अमि लेख- उपस्थापित । वादी उपस्थित वानो । स्व-
हाजिरी दाखिल । आवेदिका समिपारे इनी पति
स्व० मंगरा नाभक दाए स्व० उपस्थित
होकर बताया गया कि आवेदित भूमि हमलाओं
का स्वतिथानी भूमि है जो मेरे पति स्व०
मंगरा नाभक के पिता स्व० रति नाभक
स्व० मेरे पति के ~~पिता~~ पांचा पती नाभक

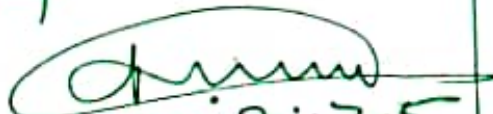


दोनों के पिता स्व. ^{बोरो} ~~कोले~~ नामक कोम -
खंडित पाइक साकिन डेह के हिस्सा करावर
कह दज हैं जो खतिमान के अवलोकन
से स्वतः स्पष्ट हैं। अंकित खतिमान
की वलाभाप्रति अभिलेख के साथ संलग्न
हैं। संलग्न खतिमान में विषयगत भूमि
स्पष्ट रूप से अंकित हैं। आवेदित भूमि
के बाबर आवेदिका को नोटिश। आभ ईस्तरा
मिर्गत किया गया है। अक्षर तामिसा अक्षर
गया। तामिसा प्रतिबंदन संलग्न हैं।
रा. उप. गिरी। अं. मि. हाए

प्रतिवेदित किया गया है कि आवेदित
भूमि में दो अंशदा हैं जिसमें दोनों पति
नामक एवं रती नामक की मूल्य हो
चुकी हैं। रति नामक जिनके एक मातृका
मंगल नामक हैं। की में चर्म पत्नी
है। मेरे पति मंगल नामक की पुत्री
में ही मूल्य हो चुकी है। तथा
जो समान अंशदा पति नामक के पुत्र
एक माता पुत्र। साकिन नामक का
नामक मूल्य हो गई है। स्व. लावन
नामक का कोई सन्तान पुत्र या पुत्री
नहीं है। यही स्थिति में संपूर्ण विषयगत
भूमि का एकदा आवेदिका अभिलेख देवी
है। अभिलेख देवी का एक मातृ पुत्री है।
विवाहित है। ~~अक्षर~~ ईस्तरा किया गया
है जिसमें किसी के द्वारा कोई आपत्ति
नहीं किया गया है। ~~अक्षर~~ ईस्तरा में
आवेदिका सहित आम ग्राहीनों के
हस्ताक्षर भी अंकित हैं। पुनः
आभ लाइन पंजी-५ के पृष्ठ सं. २२०
पृ. ॥ पर साविना नामक को रति नामक
के नाम से गमावरी काममें है।

अधुन-आधुन-लार्डन से ओन लार्डन किम
जान हेतु आर्थिक दाय अनुसंधान किम
गया है। किम गभ अनुसंधान के कार्यालय में
वि. ३५. निरीक्षण एवं अंपल निरीक्षण-
द्वारा अनुसंधान किम गया है।

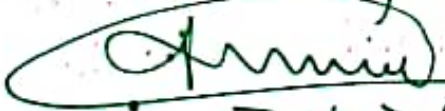
उक्त भूमि का पर दाय
कब्जा के संबंध में भूमि का, माली
को सीमांकन कर माली प्रतिवेदन की
मांग करें एवं अभिलेख दिनांक
०७. ५. २५ को एने


२४. ३. २५
अंपल अधिकारी
को

५. २५. अभिलेख उपस्थापित। उक्त का अनुपात
अंपल अमीन माली को सीमांकन प्रतिकर्ष
प्राप्त जो अभिलेख में संलग्न है
अभिलेख दिनांक २४. ३. २५ में संलग्न का.
३५. निरीक्षण। अं. नि.। अंपल अमीन के
प्रतिवेदन का अवलोकन किम जिले में
प्रतिवेदन किम गया है कि आर्थिक
प्रयोजन भूमि का एकमात्र एकदा है।
किम ही दाय ही अंपल अमीन द्वारा
भी दाय के संबंध में प्रतिवेदन
गया है जो मूल में संलग्न है। अंपल अमीन
द्वारा प्रतिवेदन किम गया है कि प्रयोजन
भूमि अधिक वही शानिमान देवी प्रति
स्व. मंगल नामक का है कि भूमि में
कोई विवाद नहीं है कि ही दाय
कोई आपत्ति नहीं किम गया है कि
प्रतिवेदन के अवलोकन है किम दाय

उस प्रकार स्पष्ट है- कि
भूमि पर आदेडिका का दावा कबगा है
जिस पूर्व में बटाई में किया जाता था
वर्तमान में भूमि जाती है जो
किसी का कोई आपत्ति नहीं है

अतः अभिलेख में
संलग्न कपागात्र, रा. उप. निधि।
अं. नि. के द्वारा जॉय प्रतिदान
व अनुशोला एवं अंपल अमीन
प्रतिदान के आलेख में प्रमाणित
भूमि को ओन साइन करने हेतु
आदेशित किया जाता है तथा
इसी निष्कर्ष के साथ बाहु की
कारिदाई समाप्त की जाती है


07.04.25
अंपल अधिकारी
बानस